

गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार 2024

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

वन और आदवासी अधिकार कार्यकर्ता **आलोक शुक्ला** को उनके सफल अभियान के लिये प्रतिष्ठित **गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार 2024** से सम्मानित किया गया है, जिसने **छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य क्षेत्र** में 21 नयोजित **कोयला खदानों** से 4.45 लाख एकड़ जैवविधिता से समृद्ध जंगलों को बचाया है।

- हसदेव अरण्य का जंगल छत्तीसगढ़ के कोरबा, सूरजपुर और सरगुजा जिलों में 170 लाख हेक्टेयर में फैला हुआ है, जसिसे "छत्तीसगढ़ के फेफड़े" के रूप में जाना जाता है, जसिमें समृद्ध जैवविधिता है तथा यह **25 लुप्तप्राय प्रजातियों**, 92 पक्षी प्रजातियों एवं 167 दुर्लभ प्रजातियों व औषधीय पौधों की प्रजातियों का घर है।
- **हसदेव नदी**, जो **महानदी** में मिलती है, इन जंगलों से पोषित होती है और हसदेव बांगो जलाशय को पानी की आपूर्त करती है, जसिसे 741,000 एकड़ कृषिभूमि की सचिई होती है।
 - छत्तीसगढ़, जहाँ 44% भूमि विनाच्छादित है, भारत में **तीसरा सबसे बड़ा वन क्षेत्र** है।
 - इसके अलावा, लगभग 15,000 स्वदेशी लोग अपनी आजीविका, सांस्कृतिक वरिसत और भोजन के लिये हसदेव अरण्य वनों पर निर्भर हैं।
- **गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार** को **2019-2020** द्वारा दिये जाने वाले **ग्रीन नोबेल पुरस्कार** के रूप में भी जाना जाता है।
- इस पुरस्कार की **स्थापना वर्ष 1989 में रचिर्ड और रॉडा गोल्डमैन** द्वारा की गई थी।
 - यह छह क्षेत्रों (**एशिया, अफ्रीका, यूरोप, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण और मध्य अमेरिका**) और अंत में, द्वीपों तथा द्वीपीय देशों के ज़मीनी स्तर के पर्यावरण नेताओं को मान्यता देता है।
 - वजिताओं का चयन एक अंतरराष्ट्रीय नरिणायक मंडल (International Jury) द्वारा किया जाता है और पुरस्कार राशि के रूप में 200,000 अमेरिकी डॉलर दिये जाते हैं।

और पढ़ें: [कोयला खनन को लेकर छत्तीसगढ़ में वरिध प्रदर्शन](#)